खबर संक्षेप

तेज रफ्तार ट्रक ने शिक्षक को कुचला, मौके पर ही मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के मानपुर रोड पर रेत से लदे काल बनकर दौड़ रहे ट्रकों ने शनिवार रात एक और हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। ग्राम कोठिया में रात करीब 8 बजे रेत से भरे एक बेलगाम ट्रक ने सडक़ पार कर रहे शासकीय शिक्षक अजय सिंह उम्र 52 वर्ष को इतनी बेरहमी से कुचला कि उनकी मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। रामगढ़ निवासी अजय सिंह, जो माध्यमिक विद्यालय बसही में पदस्थ थे, किसी निजी काम से कोठिया आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मानपुर की ओर से आ रहे रेत लदे ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि शिक्षक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। वारदात को अंजाम देने के बाद कायर चालक ट्रक को एक किलोमीटर दूर लावारिस खड़ा कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सडक़ों पर खून बहाने वाले इस ट्रक में लदी रेत के काले कारोबार पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है, लेकिन चर्चा आम है कि रेत वैध है या अवैध थाना प्रभारी जिया उल हक का कहना है कि आरोपी चालक की तलाश जारी है और हर पहलू की जांच की जा रही है। शिक्षक की इस दर्दनाक मौत से शिक्षा जगत में भारी आक्रोश है। लोगों का साफ कहना है कि आखिर कब तक प्रशासन की ढिलाई और इन रेत के यमदूतों की वजह से बेगुनाह सडक़ों पर दम तोड़ते रहेंगे।

कलेक्टर ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पर बरसाई लाठियां: तीन को भेजा जेल

अब कार्यकर्ताओं को लेकर सडक़ पर उतरेगी कांग्रेस

शहडोल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के एक दिवसीय शहडोल दौरे के दौरान राजनीतिक टकराव ने प्रशासन और कांग्रेस, दोनों को आमने-सामने ला दिया। लालपुर हवाई अड्डे से कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ रहे मुख्यमंत्री के काफिले को गोपालपुर तिराहे के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उस घटना की रही, जिसमें कलेक्टर डॉ. केदार सिंह स्वयं मोर्चा संभालते हुए एक कांग्रेसी कार्यकर्ता पर लाठी चलाते दिखाई दिए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। देर शाम सभी को जमानत दे दी गई, लेकिन जयसिंहनगर विधानसभा अध्यक्ष शेख साजिल (शनि), सत्यम और आशू के ऊपर अतिरिक्त धाराएं लगाई गई, जिस कारण उन्हें जेल भेजे जाने की खबर है।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने पहले ही प्रशासन को विरोध प्रदर्शन की सूचना दी थी। इसके बावजूद काफिले के रास्ते में कार्यकर्ताओं का पहुंच जाना प्रशासनिक चूक या खुफिया तंत्र की नाकामी के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री का दौरा विकास योजनाओं के लोकार्पण और भूमिपूजन को लेकर तय था, जिसमें धनपुरी वाटर पार्क का उद्घाटन और सीतामढ़ी धाम में माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण प्रमुख कार्यक्रम थे। कार्यक्रमों में भीड़ भी रही और सरकारी आयोजन सफल रहे, लेकिन विरोध प्रदर्शन ने राजनीतिक संदेश जरूर दे दिया।

सूत्रों के अनुसार, पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया, वहीं दूसरी ओर किसानों का एक समूह भी अपनी मांगों को लेकर पहुंच गया। पुलिस इन दोनों स्थितियों को संभालने में उलझी रही, तभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का एक दल काफिले के सामने पहुंच गया और नारेबाजी करते हुए काले झंडे दिखाए। कुछ देर के लिए काफिला धीमा पड़ा और सुरक्षा में हलचल देखी गई। इसी दौरान कलेक्टर ने हस्तक्षेप करते हुए लाठी चलाई, जिससे विवाद और बढ़ गया।

राजनीतिक तौर पर देखा जाए तो कांग्रेस की रणनीति दो स्तरों पर कामयाब मानी जा रही है। पहला उसने मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विरोध दर्ज कराकर अपनी मौजूदगी का संदेश दिया। दूसरा लाठीचार्ज के वीडियो के सामने आने के बाद उसे प्रशासन और भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन का नया मुद्दा मिल गया है। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताकर व्यापक आंदोलन की तैयारी में जुट गई है। देर शाम तक करीब 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने के बाद जमानत पर छोड़ा गया। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं राजनीतिक तापमान भी बढ़ा दिया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह ने आरोप लगाया कि उन्हें शांतिपूर्वक गिरफ्तार करने के बजाय कलेक्टर ने लाठी से प्रहार किया, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस घटना के खिलाफ कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ बर्बरता हुई है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस अब इस मुद्दे पर सडक़ पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

सरकार विरासत से विकास की राह प्रशस्त कर रही है:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जयसिंहनगर और ब्योहारी को दी 767 करोड़ की सौगातें

जयसिंहनगर में बाईपास का होगा निर्माण-बुड़वा अस्पताल का होगा उन्नयन

गंधिया ग्राम बनेगा धार्मिक आस्था और पर्यटन का केन्द्र

ब्यौहारी और जयसिंहनगर के बीच बनेगा औद्योगिक विकास केन्द्र

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम गंधिया में माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर विशाल जन सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब माता शबरी के भक्ति के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाएंगे। विंध्य की पावन भूमि में चित्रकूट में भगवान श्री राम ने वनवास के 11 वर्ष से अधिक का समय बिताया। गंधिया ग्राम में भी भगवान के पावन चरण पड़े और उन्होंने माता शबरी को दर्शन दिए। हमारी सरकार सनातन परंपरा का सम्मान करती है। हम विरासत से विकास की राह प्रसस्त कर रहे हैं। एक हजार साल तक प्रतीक्षा के बाद सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण तब के राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और सरदार पटेल की पहल पर हुआ। आयोध्या, सोमनाथ और उज्जैन हमारी विरासत है। मुख्यमंत्री ने समारोह में 767 करोड़ रूपए की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्याश किया।

युवाओं को रोजगार के मिलेंगे अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि शबरी माता की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान राम ने उन्हें दर्शन दिए और प्रेम के साथ जूठे बेर खाए। भगवान राम ने भीलनी शबरी माता को कौशल्या माता के समान आदर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान ने शहडोल, ब्यौहारी और जयसिंहनगर क्षेत्र को अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य का उपहार दिया है। यह क्षेत्र मॉ नर्मदा का घर है। इस क्षेत्र की विकास के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। बुढ़ार, गोहपारू और जयसिंहनगर माईक्रो सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2300 करोड़ रूपए मंजूर किए गए हैं। इस सिंचाई परियोजना से क्षेत्र का किसान समृद्ध होगा। रीवा शहडोल मार्ग में जयसिंहनगर में बाईपास का निर्माण कराया जाएगा। ब्यौहारी और जयसिंहनगर के बीच औद्योगिक विकास केन्द्र का निर्माण किया जाएगा इससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। बुड़वा स्वास्थ्य केन्द्र का 30 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता की करतल ध्वनि के बीच गंधिया ग्राम और सीतामढ़ी को धार्मिक, आस्था तथा पर्यटन का केन्द्र बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा की संजय टाईगर रिजर्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ब्यौहारी की ओर नया गेट खोला जाएगा। परीक्षण के बाद आमडीह उप तहसील का तहसील में उन्नयन किया जाएगा।

आदिवासी वीरो ने अंग्रेजों से किया था संघर्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं लाडली बहना हितग्राहियो को हर महीने 1500 रूपए दिए जा रहे है। प्रधानमंत्री जी किसानों को किसान सम्मान निधि देकर सम्मानित कर रहे हैं। केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार तेजी से प्रदेश के विकास के कार्य कर रहे हैं इसके लिए हम यशस्वी प्रधानमंत्री का अभिनन्दन करते हैं। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सरकार ने केवल दो साल में ही 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा दी है। शहडोल को मेडिकल कॉलेज की सौगात दी गई है। आदिवासी वीरों और शहीदों के सम्मान में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हमारे आदिवासी वीरो ने अंग्रेजों से जमकर संघर्ष किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी मदिर में भगवान राम के दर्शन किए तथा पूजा अर्चना की। समारोह स्थल में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का परंपरागत आदिवासी शैला नृत्य और करमा नृत्य से स्वागत किया गया तथा परंपरागत आदिवासी पगड़ी पहनाई गई।

सिंचाई सुविधाओं सहित कई सौगातें

समारोह में सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि त्रेतायुग मे इस भूमि पर भगवान राम के पावन चरण पड़े थे। आज मुख्यमंत्री ने शबरी माता की मूर्ति का अनावरण करके तथा विकास की सौगातें देकर क्षेत्र को धन्य कर दिया है। सांसद ने कटनी से ब्यौहारी होते हुए सिंगरौली तक फोरलेन सडक़ निर्माण, औद्योगिक केन्द्र की स्थापना सहित विभिन्न मांगे रखी। समारोह मे विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की विकास की विभिन्न सोगातों के लिए धन्यवाद दिया। समारोह में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विधायक ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल ने कहा कि 70 साल की प्रतीक्षा के बाद यहां मुख्यमंत्री पधारे हैं। मुख्यमंत्री ने शहडोल क्षेत्र को सिंचाई सुविधाओं सहित कई सौगातें दी है। सिंचाई सुविधा मिलने ने खेती मे तेजी से विकास होगा विधायक ने क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई मांगे रखी। मुख्यमंत्री ने समारोह स्थल पर लगाई गई विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इनकी रही मौजूदगी

समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, जनपद अध्यक्ष जयसिंहनगर श्रीमती मालती सिंह, जनपद अध्यक्ष ब्यौहारी श्रीमती आकांक्षी सिंह, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिताा चपरा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी सख्या में आम जन उपस्थित रहे। समारोह में कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, आईजी सुश्री चैत्रा एन, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

70 साल की उपेक्षा का अंत

ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल ने भावुक संबोधन में कहा कि 70 साल बाद कोई मुख्यमंत्री इस अंचल की सुध लेने आया है। वहीं जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह और सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने क्षेत्र की मांगों को मुख्यमंत्री के सामने रखा, जिसे डॉ. यादव ने सहर्ष स्वीकार कर विंध्य की राजनीति में अपनी पकड़ को और मजबूत कर लिया। डॉ. मोहन यादव का यह दौरा केवल लोकार्पण-शिलान्यास तक सीमित नहीं था, यह एक संदेश था कि विंध्य की धरती अब उपेक्षा का शिकार नहीं होगी। माता शबरी की प्रतिमा के बहाने जनजातीय वोट बैंक को साधना और अरबों की सिंचाई योजनाओं से किसानों को रिझाना, मुख्यमंत्री का यह मास्टरस्ट्रोक जिले की राजनीति को एक नई दिशा दे गया है।

बॉलीबॉल प्रतियोगिता में बराछ को हराकर जयसिंहनगर बनी विजेता

शहडोल। आज दुनिया में बढ़ती आधुनिकता, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा एवं मोबाइल फोन पर व्यस्तता से लोगों में तनाव और न जाने कितनी मानसिक परेशानियां हमारी युवा पीढ़ी के सामने चुनौती प्रकट करती हुई नजर आ रही है। तनाव और चुनौतियों से छुटकारा पाने का खेल बहुत बड़ा सहारा माना जाता है, जो लोगों को तनावमुक्त जीवन जीने में मदद करता है। आउटडोर गेम्स हमें शारीरिक एवं मानसिक दोनों रूपों में प्रबल बनाते हैं। आउटडोर गेम्स में क्रिकेट देश भर में सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता है। बॉलीबॉल का खेल भी लोगों के बीच में लोकप्रिय हो और इसके प्रति भी लोगों में उत्साह हो, इसी उद्देश्य से जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बरना में दो दिवसीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल मिलाकर 18 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम पंचायत बरना के सरपंच बालदेव सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के संचालन में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत बसोहरा के सरपंच दशरथ सिंह मरावी, अमृतलाल सिंह (एलआईसी अभिकर्ता) एवं वीरेंद्र केसरवानी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । गौरतलब है कि अमृतलाल सिंह (एलआईसी अभिकर्ता) आस-पास के क्षेत्र में लगातार बॉलीबॉल के प्रति लोगों में उत्साह जागृत कर, खेल में सहभागिता करने हेतु प्रेरित करते हैं, साथ ही खिलाडिय़ों को खुद के खर्च से खेल सामग्रियां उपलब्ध कराते हैं। वह स्वस्थ जीवन के लिए लोगों को मैदान पर अधिक से अधिक समय बिताने का सुझाव देते हैं । आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबला बराछ और जयसिंहनगर के बीच खेला गया जिसमें जयसिंहनगर की टीम ने लगातार दो सेट जीतकर फाइनल का खिताब जीता। विजेता टीम को ट्रॉफी एवं 3100 रुपये प्रदान किया गया जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं 2100 रुपए प्रदान किया गया। वहीं प्रभात यादव को बेस्ट अटैकर, सुभाष को बेस्ट डिफेंडर एवं आयुष द्विवेदी को बेस्ट सेटर का पुरस्कार प्रदान किया गया। फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर आयुष द्विवेदी को मैन ऑफ द मैच नगद 500 रुपए प्रदान किया गया। जबकि रेफरी शिब्बू यादव, अमृतलाल सिंह एवं भागवत पटेल एवं विजेता व उपविजेता टीम के खिलाडिय़ों सहित मंच संचालन कर रहे राजकुमार यादव एवं शैलेन्द्र सिंह को भी मेडल प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य रूप से सरपंच दशरथ सिंह मरावी एवं बालदेव सिंह, उपसरपंच देवराज सिंह (लल्लू), सेवानिवृत्त सीआईएसएफ राजबहादुर सिंह, वीरेंद्र केसरवानी, अवधेश केवट सहित काफी संख्या में खिलाड़ी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ज्ञापन देने जा रहे किसानों को पुलिस ने बस में किया कैद

शहडोल। सूबे के मुखिया डॉ. मोहन यादव के शहडोल प्रवास के दौरान रविवार को प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन का एक क्रूर और अलोकतांत्रिक चेहरा सामने आया। अपनी जमीन, रोजगार और हक की गुहार लगाने जा रहे रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों और जनप्रतिनिधियों को पुलिस ने धोखे से हिरासत में ले लिया। अन्नदाता को मुख्यमंत्री से मिलाने का झांसा देकर पुलिस बस में ठूंस दिया गया और फिर उन्हें थाने के भीतर नजरबंद कर दिया गया। हैरत की बात यह है कि सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा और जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी सहित अन्य प्रतिनिधियों ने एक सप्ताह पहले ही प्रशासन को शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपने की सूचना दी थी। पुलिस ने पहले इन्हें यह कहकर बुलाया कि कलेक्टर-एसपी से बात हो गई है, आपको हेलीपैड पर मुख्यमंत्री से मिलवाया जाएगा, लेकिन जैसे ही किसान बस में बैठे, उन्हें हेलीपैड के बजाय सोहागपुर थाने ले जाकर कैद कर दिया गया।

किसानों का आरोप है कि एसईसीएल प्रबंधन अपनी कमियों को छुपाने के लिए प्रशासन का ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। खदान परियोजना के नाम पर जमीनें छीन ली गईं, बिना अप्रूवल के पेड़ काट दिए गए, लेकिन न मुआवजा मिला और न ही रोजगार की फाइलें आगे बढ़ीं। जब किसान अपनी व्यथा प्रदेश के मुखिया को सुनाना चाहते थे, तो उनके स्वर को पुलिसिया दमन के जरिए दबा दिया गया। इस अपमानजनक व्यवहार से गुस्साए किसान नेताओं ने थाने में ही मोर्चा खोल दिया है। भूपेश शर्मा, राजकमल मिश्रा और आदित्य त्रिपाठी समेत अन्य नेताओं ने दोटूक कहा कि जब तक प्रशासन लिखित जवाब नहीं देता, वे वहां से नहीं हटेंगे। जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से घोषणा की है कि आने वाले समय में एसईसीएल और प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। शहडोल के गलियारों में अब यह सवाल गूंज रहा है कि क्या अपनी बात रखना गुनाह है और क्या सबका साथ-सबका विकास का नारा सिर्फ कागजों तक ही सीमित है।

सच्चा वादा और पक्का काम ही हमारी पहचान: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने धनपुरी में किया वाटर पार्क का लोकार्पण

शहडोल को मिली 2300 करोड़ की सिंचाई परियोजना की सौगात, शहडोल के विकास पर डॉ. मोहन यादव की मोहर

शहडोल

सत्ता की धमक जब जनसेवा की चमक से मिलती है, तो विकास की इबारत लिखी जाती है। कुछ ऐसा ही मंजर रविवार को धनपुरी में देखने को मिला, जहां सूबे के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने साफ लफ्जों में विरोधियों को अपनी कार्यशैली का परिचय दे दिया। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सच्चा वादा और पक्का काम ही उनकी सरकार की असली पहचान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीन पर उतारते हुए वे जनजातीय समाज के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण के मिशन पर निकले हैं।

धनपुरी को मिला वॉटर वर्ल्ड

मुख्यमंत्री ने धनपुरी नगर पालिका द्वारा करीब 20 करोड़ की भारी-भरकम लागत से तैयार 10 एकड़ में फैले अत्याधुनिक वॉटर पार्क, क्लब हाउस और स्विमिंग पूल का लोकार्पण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पार्क की विश्वस्तरीय सुविधाओं को देख नपा प्रशासन की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल मनोरंजन का केंद्र नहीं, बल्कि धनपुरी के समग्र विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां एक्वा टावर से लेकर कॉन्फ्रेंस हॉल तक की सुविधा स्थानीय पर्यटन और रोजगार को नई ऊंचाइयां देगी।

राम से सीखें समरसता

माता शबरी की जयंती के अवसर पर डॉ. यादव भक्ति और दर्शन के रंग में डूबे नजर आए। उन्होंने कहा शबरी मैया की प्रतीक्षा का फल सिर्फ उन्हें नहीं, बल्कि स्वयं आराध्य श्रीराम को भी मिला। मुख्यमंत्री ने समाज को आईना दिखाते हुए कहा कि सनातन संस्कृति की असली ताकत मनुष्य से मनुष्य का प्रेम है। उन्होंने जातिगत भेदभाव को जड़ से मिटाने का आह्वान करते हुए कहा कि भगवान राम का जीवन ही छुआछूत के खिलाफ सबसे बड़ी प्रेरणा है।

शहडोल के लिए घोषणाओं की झड़ी

मुख्यमंत्री का यह दौरा घोषणाओं के लिहाज से शहडोल के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने मंच से एक के बाद एक कई बड़े ऐलान किए, सोन नदी पर चार माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं का खाका खींचते हुए मुख्यमंत्री ने 2300 करोड़ रुपये की बड़ी योजना का ऐलान किया। इससे 50 हजार हेक्टेयर जमीन सोना उगलेगी और 122 गांवों के किसानों की तकदीर बदलेगी। क्षेत्र की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की। साथ ही जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के नए भवनों की मंजूरी दी। छात्रों की सुविधा के लिए गीता भवन बनेगा, जहां लाइब्रेरी और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा मिलेगी। शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीटों की संख्या बढ़ाने पर मुख्यमंत्री ने विभाग से तत्काल प्रस्ताव भेजने को कहा है। जिले में 160 करोड़ की लागत से 45 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण होगा, जिसमें 3 किलोमीटर का भव्य मॉडल रोड भी शामिल है।

खेती को लाभ का धंधा बनाने का ब्लूप्रिंट

प्रदेश को नदियों का मायका बताते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कैसे प्रदेश का सिंचाई रकबा 7.50 लाख से बढ़कर 54 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अब सरकार का ध्यान सोलर पंप पर है। प्रदेश के 30 लाख किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे ताकि बिजली के बिल का झंझट खत्म हो और किसान आत्मनिर्भर बनें। मछली पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को खेती का पूरक बनाने पर भी उनका जोर रहा।

नारी शक्ति का उदय

डॉ. यादव ने महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना से लेकर लखपति दीदी और ड्रोन दीदी तक, सरकार हर मोर्चे पर बहनों को मजबूत कर रही है। रजिस्ट्री में 2 प्रतिशत की छूट और आगामी विधानसभा -लोकसभा में आरक्षण का जिक्र करते हुए उन्होंने हुंकार भरी कि आने वाला समय माता-बहनों का है।

मंच पर मौजूद रहे दिग्गज

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने धनपुरी के विकास को विकास की गंगा बताया। विधायक जय सिंह मरावी ने क्षेत्र की जनभावनाओं को मुख्यमंत्री के सामने रखा और सौगातों के लिए आभार जताया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा ने स्वागत भाषण देते हुए वॉटर पार्क की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल सहित कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव भी मुस्तैद रहे। मुख्यमंत्री का यह दौरा केवल लोकार्पण तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने आगामी समय के लिए शहडोल की विकास की रूपरेखा खींच दी है। अब देखना यह है कि प्रशासन इन घोषणाओं को कितनी तेजी से धरातल पर उतारता है।

10 फरवरी को मनाया जाएगा सेफ इंटरनेट दिवस

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि सेफ इंटरनेट दिवस 10 फरवरी को मनाया जाएगा। जिसकी थीम स्मार्ट टीच , सेफ च्वाईस,एक्सप्लोरिंग द सेफ एंड रिस्पानसिबल यूज आफ एआई निर्धारित है। इस अवसर पर विद्यार्थियो एवं कालेज स्टाफ को सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट, साइबर हाइजीन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध मे जागरूक किए जाने हेतु महाविद्यालय मे डीआईओ एनआईसी उमरिया व्दारा जागरूकता व्याख्यान कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। उन्होने प्रचार्य प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय आर व्ही पी एस से कहा है कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्था जैसे सभागार, विद्यार्थियों एवं कालेज स्टाफ की उपस्थिति तकनीकी सुविधाएं एवं अन्य आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करें ।

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित , प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 14 मार्च 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

डीईसी की गोली का सेवन पात्र व्यक्ति निशि्चत रूप से करें: सीएमएचओ

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि उमरिया जिले के पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी 2026 तक एमडीए अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीमें घर-घर जाकर लक्षित जनसंख्या को निर्धारित मात्रा में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराएंगी। उन्होने बताया कि डी.ई.सी. एल्बेंडाजोल आइवरमेक्टिन की गोली का सेवन करने से मनुष्य के शरीर में स्थित फाइलेरिया के कृमि नष्ट हो जाते हैं जिससे यह बीमारी एक से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। दवा खाने से कृमि के मरने पर बुखार, उल्टी, सिर दर्द या चक्कर आ सकते हैं, जो कि दवा का प्रतिकूल प्रभाव है और ये लक्षण कुछ समय के बाद स्वयं समाप्त हो जाते हैं। फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए डी.ई.सी. की गोली की सालाना खुराक सभी पात्र व्यक्तियों को लेना आवश्यक है। उन्होने अपील करते हुए वे स्वयं दवा का सेवन करें तथा अपने परिवार एवं आस-पास के लोगों को भी दवा सेवन के लिए प्रेरित करें। रवि साहू जिला मलेरिया सलाहकार ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर,लेकिन पूरी तरह से रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जिसके उन्मूलन के लिए सभी पात्र व्यक्तियों द्वारा दवा का सेवन सुनिश्चित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। कुछ व्यक्तियों में दवा सेवन के बाद सिर दर्द, बदन दर्द, पेट दर्द, उल्टी जैसे अस्थायी लक्षण दिखाई दे सकते हैं, जिससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। ये लक्षण दवा के प्रभाव के कारण अस्थायी होते हैं। फायलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन अत्यंत आवश्यक है। उन्होने बताया कि वर्ष में एक बार 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोडक़र शेष सभी को निर्धारित मात्रा में डीईसी (डाय-इथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कराया जाना आवश्यक है।

जनगणना के सुचारू रूप से संचालन हेतु अधिकारियों की गई नियुक्ति

उमरिया। जनगणना निदेशालय भोपाल व्दारा जारी आदेश के परिपालन में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने उमरिया जिले में जनगणना के सुचारू रूप से कार्य संपादित हेतु अधिकारियों की नियुक्ति की है।

उन्होने कहा है कि जगनणना अधिनियम 1948 की धारा 11 में प्रदत्त शक्तियों के अनुसार, कोई भी जनगणना अधिकारी अथवा ऐसा व्यक्ति जो जनगणना कार्य करने में सहायता करने हेतु विधिवत अपेक्षित हो एवं जो वर्णित अधिनियम के अंतर्गत अथवा इसके अंतर्गत निर्दिष्ट नियम के अंतर्गत आवंटित कार्य के निर्वहन करने से मना करता हो, अथवा कोई भी व्यक्ति जो ऐसे कार्य निर्वहन में अन्य व्यक्ति को बाधा उत्पन्न करता हो अथवा रोकता हो, को रूपये एक हजार तक के जुर्माने से दण्डित किया जायेगा एवं दोष सिद्ध होने पर कारावास से, जो कि तीन वर्ष तक का हो सकेगा, दण्डित किया जायेगा। आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है, साथ ही संबंधित अधिकारी जनगणना अधिकारियों का विवरण 3 दिवस में जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

क्वार्टर सर्वे की आड़ में अवैध वसूली और डराने-धमकाने का गंभीर मामला उजागर

एसईसीएल जमुना कोतमा में तानाशाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र में प्रबंधन की कार्यप्रणाली एक बार फिर कठघरे में है। माइनर्स कॉलोनी, जमुना टाउनशिप निवासी वरिष्ठ पूर्व कर्मचारी जगन्नाथ प्रसाद गर्ग द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद अब मामला और व्यापक रूप लेता जा रहा है। आरोप है कि संपदा अधिकारी एवं जी.एम. ऑपरेशन के निर्देशों पर क्वार्टर सर्वे के नाम पर लोगों से आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लिए जा रहे हैं और फिर उनके अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा फोन कर क्वार्टर खाली कराने की धमकी देते हुए मनमानी वसूली की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोबाइल नंबर लेकर कर्मचारियों द्वारा यह कहा जाता है कि “जिस दिन से क्वार्टर में रह रहे हो, उस दिन से आज तक का चार्ज देना पड़ेगा, नहीं तो क्वार्टर खाली करा लिया जाएगा डर और दबाव में जो लोग पैसा दे देते हैं, उन्हें एक तरह का आवेदन या राहत दी जाती है, जबकि पैसा न देने वालों को बार-बार नोटिस, सिक्योरिटी भेज कर और अन्य कानूनी डर दिखाकर क्वार्टर खाली कराने का दबाव बनाया जा रहा है, यह पूरा मामला निष्पक्ष जांच का विषय बताया जा रहा है।

नगर पालिका उपाध्यक्ष की चेतावनी, 15 दिन में वसूली नहीं रुकी तो बृहद आंदोलन

इस पूरे मामले पर नगर पालिका परिषद पसान के उपाध्यक्ष अजय ताराचंद यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि 15 दिवस के भीतर क्वार्टर खाली कराने के नाम पर चल रही वसूली बंद नहीं की गई, तो जमुना कोतमा क्षेत्र के समस्त कोयलांचलवासी बृहद आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करेंगे उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसकी समस्त जवाबदारी कालरी प्रबंधन की होगी। यादव ने संपदा अधिकारी और उनके अधीन कर्मचारियों पर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया कि जब वसूली का कोई प्रावधान नहीं है, तो लोगों के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर किस आदेश के तहत लिए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि किसी भी नियम या आदेश में यह नहीं लिखा है कि कथित अवैध रूप से रह रहे व्यक्ति का आधार और मोबाइल अनिवार्य रूप से लिया जाए।

उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी, विजिलेंस बिलासपुर, कोल इंडिया लिमिटेड तथा कंपनी के शीर्ष स्तर तक भेजी है। माइनर्स कॉलोनी निवासी वरिष्ठ पूर्व कर्मचारी जगन्नाथ प्रसाद गर्ग ने आरोप लगाया है कि उनका मामला वर्ष 2014 से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है। कंपनी के नियम 25.3 के अनुसार न्यायालयीन प्रकरण लंबित रहने तक आवास सुरक्षा का प्रावधान है, इसके बावजूद बिना पूर्व सूचना के उनके क्वार्टर का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया। पीड़ति के अनुसार, 30 जनवरी को वे अपने पुत्र के साथ बिजली पानी की समस्या और नोटिस के संबंध में संपदा अधिकारी के कार्यालय पहुंचे, जहां न तो उनकी बात सुनी गई और न ही कोई वैधानिक समाधान दिया गया आरोप है कि अधिकारी द्वारा ऊंची आवाज में डांटते हुए पिता पुत्र का अपमान किया गया और उन्हें कार्यालय से बाहर कर दिया गया एक वरिष्ठ नागरिक का अपने पुत्र के सामने इस प्रकार अपमान किया जाना निंदनीय और अमानवीय बताया जा रहा है। गर्ग का कहना है कि बिजली पानी काटना न केवल मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है, बल्कि यह न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में भी आता है उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मानसिक तनाव या मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परिवार को किसी प्रकार की क्षति होती है, तो इसकी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों की होगी।

सूचना के अधिकार में भी अनियमितता का आरोप

पीड़ति ने यह भी आरोप लगाया है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी में सही तथ्य नहीं दिए गए और रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई है। उनका दावा है कि इसी जांच से बचने के लिए उन पर दबाव बनाने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

यूनियनों में रोष, आंदोलन की चेतावनी

मामले के उजागर होने के बाद ट्रेड यूनियनों में भारी रोष है यूनियन नेताओं का कहना है कि यदि शीघ्र ही बिजली पानी बहाल नहीं किया गया और अवैध वसूली व धमकी देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। जमुना कोतमा क्षेत्र में यह पूरा मामला अब केवल एक व्यक्ति तक सीमित न रहकर सैकड़ों क्वार्टरधारकों की समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जिस पर प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की त्वरित व पारदर्शी कार्रवाई की मांग तेज होती जा रही है।

जमुना-कोतमा में शहिद कामरेड मदन मोहन सिंह के शहादत दिवस पर उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 7 फरवरी को जमुना कोतमा क्षेत्र में एसकेएमएस एटक के तत्वावधान में शहिद कामरेड मदन मोहन सिंह की शहादत दिवस श्रद्धांजलि सभा का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में एसकेएमएस एटक के केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने शहीद कामरेड मदन मोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मिंटू सिंह, डॉ. मनोज सिंह, एसकेएमएस एटक के क्षेत्रीय महामंत्री अयाज अली, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रमोद खनडई, निशा मिश्रा, संतोष श्रीवास्तव, एचएमएस जमुना कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला, ऋषि तिवारी, बीएमएस के सरजू, मुबारक अली, समीम भाई, अबू बख्श सहित भालूमाड़ा नगर के अनेक संभ्रांत नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे सभी ने एक स्वर में शहीद कामरेड मदन मोहन सिंह के संघर्षों को स्मरण कर उन्हें नमन किया। मुख्य अतिथि कन्हैया सिंह ने कहा, “स्वर्गीय कामरेड मदन मोहन सिंह मजदूरों के सच्चे रहनुमा थे उन्होंने मजदूरों के हक और सम्मान के लिए आजीवन संघर्ष किया और उसी संघर्ष में शहादत पाई उनका बलिदान श्रमिक आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा, “कामरेड मदन मोहन सिंह ने अन्याय के विरुद्ध आवाज़ बुलंद की और मजदूरों को संगठित करने का कार्य किया उनका जीवन हमें सामाजिक न्याय और श्रमिक हितों के लिए निरंतर कार्य करने की सीख देता है। एसकेएमएस एटक के क्षेत्रीय महामंत्री अयाज अली ने कहा, “शहीद मदन मोहन सिंह ने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कभी समझौता नहीं किया उनकी शहादत हमें यह संकल्प दिलाती है कि श्रमिक हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से जारी रहेगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।

पुलिस ने सटोरिया रमेश चौधरी और दो अन्य साथियों को पकड़ने में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज कोतमा

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा सटोरियों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के निर्देशन में कोतमा पुलिस ने सट्टा पर्याय माने जाने वाले सटोरिया रमेश चौधरी और दो अन्य साथियों को पकड़ने में सफलता पाई है। आरोपियों के कब्जे से सट्टा पर्ची, 4 मोबाइल व नगदी 7915 रुपए बरामद कर धारा 4का सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। कार्यवाही को लेकर थाना प्रभारी रत्नाबर शुक्ला ने बताया कि बाजार क्षेत्र में सट्टा पट्टी काटे जाने की सूचना पर रवि सोनी 42 वर्ष एवं दशरथ सोनी 65 वर्ष निवासी दफाई टोला को सट्टा पर्ची, नगदी एवं मोबाइल सहित गिरफ्तार किया गया। आरोपी के द्वारा रमेश चौधरी 43 वर्ष के लिए कमीशन में सट्टा पट्टी काटना बताए जाने पर उसके खिलाफ भी कार्यवाही की गई। पुलिस टीम ने बुढ़ानपुर गांव में भी घेराबंदी किया तो आरोपी गांव में सट्टे की दुकान सजाया था। कब्जे से 3 मोबाइल, सट्टे पर्ची सहित 5350 नगदी जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ अलग से एक और सट्टा का मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी रमेश चौधरी लंबे समय से सट्टा पट्टी काटने एवं खाईबाजी में लिप्त रहता है। जो बुढ़ानपुर, कोतमा एवं आसपास के गांवों में अपना नेटवर्क बनाते हुए सट्टेबाजी करता है। आदतन आरोपी के खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा सट्टा सहित अन्य मामले में कार्यवाही की जा चुकी है। एक साथ हुई अलग अलग धरपकड़ से अन्य सटोरियों में हड़कंप मचा हुआ है। नगर के स्टेशन चौक, सब्जीमंडी के पास, पुरानी बस्ती, मुखर्जी चौक, बस स्टैंड, रेस्ट हाउस रोड, भट्ठी टोला में सट्टे के अड्डे फल फूल रहे हैं। कार्यवाही के दौरान संजीव त्रिपाठी, अनिल मरावी, अभय त्रिपाठी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

इनका कहना है

उच्च अधिकारियों के निर्देशन में 3 सटोरियों को दबोचा गया है, अभियान जारी रहेगा।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

4 बोरी चोरी के कोयले के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा क्षेत्र में रेलवे साइडिंग एवं खदानों से कोयला चोरी का काला कारोबार फिर शुरू हो गया है। लगातार हो रही कोयला चोरी की शिकायत पर आरपीएफ थाना प्रभारी भरत कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भीमसेन साहू निवासी सकोला के कब्जे से 4 बोरी चोरी का कोयले के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि आरोपी गणेश नगर के पास कोयला चोरी कर रहा था जिस पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कार्यवाही की गई। जानकारी अनुसार इन दिनों बड़े स्तर पर कोयला चोरी करते हुए ईट भट्टे में खपाया जाता है। गणेश नगर एवं लहसूई में ट्रेन साइडिंग में खड़ी होते एवं रवाना होने पर चोर गिरोह के द्वारा चलती गाड़ियों से कोयला चोरी किया जाता है। कार्यवाही से चोरी से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

खबर संक्षेप

हरदीकुटी आश्रम में श्रीराम यज्ञ 14 फरवरी से

उमरियापान। महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर उमरियापान के समीपस्थ हरदीकुटी आश्रम में अगामी 14 फरवरी से 24 फरवरी तक ब्रम्हचारी संतश्री कौशिल्या दास जी महाराज के सानिध्य में दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसकी जोर शोर से तैयारियां की जा रही है। आयोजन समिति के रामकृष्ण दीक्षित ने बताया कि पंडित ज्ञानजी महाराज बडीपोंडी के दिशा मार्गदर्शन में विधि-विधान से महायज्ञ होगा। कार्यक्रम की श्रृंखला में 14 फरवरी को कलशयात्रा, 15 फरवरी को अग्नि प्राकट्य, 22 को पूर्णाहुति, 23 फरवरी को कन्या भोज, विशाल भंडारा एवं 24 फरवरी को जल विहार के साथ यज्ञ का समापन होगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं से पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

हिंदू सम्मेलन आज

सिलौंडी। सिलौंडी में आज विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें सभी समाज की एकता,विरासत के संरक्षण और सामुदायिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाएं पर चर्चा होगी। संत गोविंद सरकार महाराज और संत दामोदर दास महाराज का पावन सानिध्य के साथ सभी समाज के प्रमुख लोगों मातृशक्ति के साथ समस्त सामाजिक कार्यकर्ता युवाओं की उपस्थिति रहेगी।

नेशनल लोक अदालत के आयोजन हेतु हुई बैठक

फरवरी। आगामी 14 मार्च को जिला न्यायालय कटनी एवं समस्त तहसील न्यायालयों में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु शुक्रवार को कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी के सभा कक्ष में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के व्यवहार न्यायाधीश एवं सचिव सुमित शर्मा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्री-लिटिगेशन समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण किया जायेगा। बैठक में विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहें। जिनसे वन टू वन चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। साथ ही नगर पालिका निगम के संपत्ति कर, जलकर एवं समस्त बैंकों एवं बीएसएनएल के समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों में सूचना पत्र जारी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे अधिक से अधिक संख्या में आपसी समझौता से नेशनल लोक अदालत में लंबित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कराया जा सके। जिला विधिक सहायता अधिकारी हर्षित बिसेन ने आमजनों से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर, अपने प्रकरण का आपसी समझौता से निराकरण कराकर लोक अदालत का लाभ उठाए।

ग्रामवासियों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

कटनी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खंड कटनी द्वारा जिले में 'जल अर्पण दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल जल की महत्ता बताई गई, बल्कि ग्राम को 'हर घर जल प्रमाणित' घोषित कर ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के महत्व के बारे में बताया गया। जल अर्पण कार्यक्रम के तहत गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए गतिविधियों की एक लंबी श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें स्कूली बच्चों की रैली, लोकगीतों, भजनों, जल वंदना एवं जलफेरी के माध्यम से पानी के महत्व को सांस्कृतिक रूप से समझाया गया। ग्रामीणों ने भविष्य के लिए 'जल संकल्प' लेते हुए पानी बचाने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को पेयजल की शुद्धता के बारे में तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे शुद्ध पानी के उपयोग से बीमारियों से बचा जा सकता है और जल स्त्रोतों का रखरखाव कैसे किया जाए। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंच प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परम पूज्य श्री परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज ब्रह्मलीन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पावन-पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित श्री परमहंस धारकुंडी आश्रम के लिए यह अत्यंत शोकपूर्ण समाचार है कि अध्यात्म जगत के स्थितप्रज्ञ, ब्रह्मनिष्ठ एवं युगद्रष्टा संत, 'धारकुंडी महाराज' के नाम से विख्यात परम पूज्य परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने अपने 102 वर्ष की दीर्घ तपस्वी आयु में पार्थिव देह का त्याग कर ब्रह्मलीन हो गए। यह जानकारी आश्रम के संत स्वामी लवलीन महाराज ने दी। उन्होंने बताया कि 07 फरवरी शनिवार, तिथि (पंचांग अनुसार): फाल्गुन कृष्ण षष्ठी, समयः प्रातः 10:00 बजे, स्थानः मुंबई को स्वामी जी ने अपने स्थूल शरीर का त्याग कर ब्रह्म में लीन होना स्वीकार किया। परम पूज्य स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज, अनंत श्री विभूषित स्वामी श्री परमहंस स्वामी परमानंद जी महाराज के प्रथम स्थितप्रज्ञ शिष्य थे तथा श्री परमहंस आश्रम की सर्वोच्च आध्यात्मिक विभूति के रूप में सर्वत्र पूजित रहे। गुरुदेव की आज्ञा एवं आशीर्वाद से 22 नवंबर 1956 को उनका प्रथम आगमन धारकुंडी नामक वन्य क्षेत्र में हुआ, जहाँ उन्होंने कठोर तप, साधना एवं साधकों के मार्गदर्शन के माध्यम से लोककल्याणकारी धारकुंडी आश्रम की स्थापना की। जिस एकांत वन प्रदेश में स्वामी जी ने वर्षों तक साधना की, वही स्थान आज एक प्रसिद्ध तीर्थ के रूप में विकसित हो चुका है। वर्तमान में यहाँ सैकड़ों संत, विरक्त साधक एवं श्रद्धालु साधना, ध्यान एवं भजन में संलग्न रहते हैं। स्वामी जी को एक सिद्ध संत के रूप में भी जाना जाता था। सद्गुरुदेव भगवान, तपोनिधि, योगेश्वर, ब्रह्मनिष्ठ एवं युगद्रष्टा जैसे विशेषणों से अलंकृत स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज ने अपने 102 वर्षों के जीवन में अखंड साधना, वैराग्य एवं आत्मबोध की दिव्य ज्योति प्रज्वलित रखी। उनकी ओजस्वी वाणी, दिव्य दृष्टि और योगमय जीवन ने असंख्य संतों, साधकों एवं गृहस्थ भक्तों को आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर किया। उनका ब्रह्मलीन होना न केवल धारकुंडी आश्रम, बल्कि संपूर्ण संत समाज एवं सनातन धर्म के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे सादगी, करुणा और उच्चतम आध्यात्मिक चेतना के सजीव प्रतीक थे। उनके स्नेही शिष्य मुन्ना उरमालिया (रीवा) ने भावुक स्वर में कहा, "गुरुदेव का भौतिक शरीर भले ही हमारे मध्य न रहा हो, किंतु उनकी शिक्षाएँ, उनकी करुणा और उनकी दिव्य चेतना युगों-युगों तक साधकों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।" प्राप्त जानकारी के अनुसार परम पूज्य सद्गुरुदेव भगवान की समाधि का निर्माण कार्य पूर्व में ही उनके निर्देशानुसार विरक्त संतों, साधकों एवं भक्तों के सहयोग से पूर्ण कर लिया गया था। स्थानः श्री परमहंस आश्रम, धारकुंडी (सतना) में विधिवत रूप से संपन्न किया जाएगा। इस अवसर पर सभी शिष्य, भक्त एवं प्रेमीजन अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में कक्षा 9वीं एवं 11वीं की चयन परीक्षा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के तत्वावधान में कक्षा 9वी एवं 11 वी की चयन परीक्षा का आयोजन 07 फरवरी शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। चयन परीक्षा को लेकर क्षेत्र में शैक्षणिक वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा तथा परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 9 वीं के लिए कुल 415 परीक्षार्थी तथा कक्षा 11 वीं के लिए कुल 108 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा के सुचारु एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रथम परीक्षा केंद्र पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक एवं द्वितीय परीक्षा केंद्र सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक निर्धारित किया गया था। कक्षा 9 वीं की चयन परीक्षा में कुल पंजीकृत 415 परीक्षार्थियों में से 78 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 22 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। वहीं कक्षा 11 वीं की चयन परीक्षा में कुल 108 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से मात्र 28 परीक्षार्थी (26 प्रतिशत) ही परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 80 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक परीक्षा केंद्र में कक्षा 9 वीं हेतु 264 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 207 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 57 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक परीक्षा केंद्र में 151 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 119 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 32 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा 11 वीं की चयन परीक्षा में कुल 108 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से केवल 28 परीक्षार्थी ही परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिससे उपस्थिति प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा। उक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला ने बताया कि कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं की चयन परीक्षा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई। सभी परीक्षार्थियों ने समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचकर प्रवेश पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ परीक्षा में भाग लिया तथा परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया गया। उन्होंने बताया कि चयन परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह रहा और परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित रही।

10 फरवरी से हायर सेकेण्डरी की परीक्षा

उमरिया।

जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी ने बताया कि हायर सेकेण्डरी की परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होगी जो 7 मार्च तक चलेगी। परीक्षा प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होगी। उन्होने बताया कि 10 फरवरी को अंग्रेजी, 13 फरवरी को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनिमल हस्बैण्ड्री मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग, एंड फिसरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, 14 फरवरी को बायोटेक्नोलाजी, गायन वादन, तबला पखावज, 16 फरवरी को संस्कृत, 17 फरवरी को ड्राइंग एंड डिजाइन, 18 फरवरी को रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली आफ साइंस एण्ड मेथेमेटिक्स यूजफूल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेटिंग, गृह प्रबंध पोशण एवं वस्त्र विज्ञान की परीक्षा संचालित होगी।

इसी तरह 19 फरवरी को मनोविज्ञान, 20 फरवरी को नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क, शारीरिक शिक्षा , एआई, 21 फरवरी को कृषि,होम साइंस , एकाउटेंसी, 23 फरवरी को बायोलाजी, 25 फरवरी को गणित, 26 फरवरी को राजनीतिक शास्त्र, 27 फरवरी को इनफॉरमेटिक प्रेक्टिसेस, 2 मार्च को समाज शास्त्र, 5 मार्च को भूगोल, क्राप प्रोडेक्शन एण्ड हार्टिकल्चर, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य , 6 मार्च को उर्दू, मराठी तथा 7 मार्च को हिंदी की परीक्षा संचालित होगी।

उन्होने कहा है कि समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रातः 8 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तो भी परीक्षायें यथावत कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होगी। नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षायें उनके विद्यालय में एवं स्वाध्यायी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षायें उन्हें आवंटित परीक्षा केन्द्र पर 10 फरवरी से 10 मार्च के मध्य संचालित की जाएगी। इनकी तिथियां तथा समय ज्ञात करने के लिये प्राचार्य / केन्द्राध्यक्ष से संपर्क स्थापित रखा जावे। आवश्यकता पडने पर प्रायोगिक परीक्षायें अवकाश के दिनों में भी आयोजित की जा सकेगी। समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रात. 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.45 बजे के पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नही दिया जावेगा। परीक्षा प्रारम्भ होने के 10 मिनिट के (प्रातः 8.50 बजे से) पूर्व छात्रों को उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनिट के (प्रातः 8.55 बजे से) पूर्व प्रश्न-पत्र दिये जायें। मण्डल, आवश्यकता होने पर तिथि एवं समय में कभी भी बिना पूर्व सूचना के परिवर्तन कर सकता है, किन्तु संचार माध्यमों से संसूचित करेगा।

जमुना कालरी में भगवान शिव की भव्य प्राण प्रतिष्ठा, तीन दिवसीय भक्ति कार्यक्रम का समापन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के जमुना कालरी वार्ड क्रमांक 3 बस स्टैंड में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा के तीन दिवसीय भक्ति कार्यक्रम का 8 फरवरी को समापन हुआ। आज 9 फरवरी को विशाल भंडारा आयोजित होगा। कार्यक्रम 6 फरवरी (शुक्रवार) को कलश यात्रा एवं मंडप पूजा से प्रारंभ हुआ। 7 फरवरी (शनिवार) को वास, विवाह एवं प्रतिष्ठा कर्म संपन्न हुए। 8 फरवरी (रविवार) को पूर्णाहुति, अखंड कीर्तन, रुद्राभिषेक एवं हवन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। नगर के शास्त्री कमलेश महाराज एवं उनके सहयोगी आचार्यों ने विधि-विधान से शिवजी की प्राण प्रतिष्ठा कराई।

सफलता में योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, पार्षद सविता रूपेश सिंह, राकेश गौतम, रूपेश सिंह, संतोष पनिका, रत्नेश सिंह, राजेश सिंह, महीप द्विवेदी, पुष्पा सिंह, रूबी विश्वास, विभा दुबे, परमानंद, विकास सिंह, चुनचुन सिंह, रूबी विश्वास, जया सिंह, वीरू सिंह, आशुतोष विश्वकर्मा, जानकी प्रदीप सिंह, मालती वर्मा, सुरेश गुप्ता, अजय राजवाड़े, हीरालाल विश्वकर्मा, जयराम सिंह, अनुज पटेल, रामलाल नानू एवं वार्डवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

शिव बरात ने बांधा समां

वार्ड नंबर 3 बस स्टैंड से भगवान भोलेनाथ की भव्य बरात ढोल-ढमाकों के साथ निकली। यह बरात कोऑपरेटिव शिव मंदिर होते हुए नगर भ्रमण कर वापस लौटी, जहां आरती उतारी गई। बरात में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह, भाजपा मंडल पसान अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, वार्ड-3 पार्षद सविता रूपेश सिंह, वार्ड-4 पार्षद विकास जायसवाल, रूपेश सिंह, पूर्व मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन जायसवाल सहित भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद रुद्राभिषेक किया गया, उसके पश्चात हवन पूजन संपन्न हुआ। वार्ड की माताएं-बहनें भजन-कीर्तन में डूबकर भगवान की आराधना में सम्मिलित हुईं। आयोजन समिति ने 9 फरवरी (सोमवार) को विशाल भंडारे का आयोजन किया है, जिसमें नगर के सभी भक्तों को प्रसाद ग्रहण के लिए आमंत्रित किया गया है।

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

जर्मनी से आये अतिथि की सहभागिता ने शिविर को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बिजौरी स्थित मानव जीवन विकास समिति के प्रांगण में किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन सत्र शनिवार को संपन्न हुआ, जिसके साथ ही शिविर की औपचारिक शुरुआत हुई। यह शिविर 12 फरवरी तक संचालित होगा।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर. पी. मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना का विकास होता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की एनएसएस प्रमुख डॉ. माधुरी गर्ग ने कहा कि इस प्रकार के विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों को अनुशासन, टीमवर्क एवं सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हैं।

कार्यक्रम में पर्यावरणविद एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज की जमीनी समस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से राष्ट्र एवं समाज सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जर्मनी से आए अतिथि केविन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनकी सहभागिता ने शिविर को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान किया।

उद्घाटन सत्र में एनएसएस संयोजक डॉ. रुक्मिणी प्रताप सिंह, डॉ. सुनील त्रिपाठी, डॉ. अतुल कुमार, संगीता बसारानी, डॉ. विजय कुमार तथा एनएसएस की ओर से कनक सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक जागरूकता एवं सेवा से संबंधित विविध गतिविधियों में सहभागिता कराई जाएगी।

तिलक कॉलेज में विद्यार्थियों को जैविक खेती का दिया प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में विद्यार्थियों को जैविक कृषि का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बाजपेई के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. व्ही के द्विवेदी के सहयोग से जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को श्री अन्नमोटे अनाज के अंतर्गत ज्वार, बाजरा, मक्का तथा लघु धान्य फसल के अंतर्गत कोदो, कुटकी, रागी, कंगनी आदि की जानकारी दी गई। बताया गया कि कम पानी तथा कम खर्च पर यह फसल उगाई जा सकती है। पानी की कमी होने पर ये फसलें खराब नहीं होती तथा ज्यादा बारिश होने पर भी इसे नुकसान नहीं होता। मोटे अनाज की फसल खराब होने की स्थिति में पशुओं के चारे के काम में आती है। इसलिए इनको धान की पराली की तरह जलाना नहीं पड़ता और पर्यावरण प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। इनमें कीटों से लड़ने की रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है। मोटे अनाज में खाद एवं कीटनाशकों का प्रयोग कम होता है। मोटे अनाज में पोषक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं। मोटे अनाज का उपयोग शुगर, थायराइड, किडनी, लीवर, लिपिड रोग आदि में लाभदायक है।

कलश शोभायात्रा के साथ सप्ताह ज्ञान यज्ञ प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

तहसील मुख्यालय स्लीमनाबाद समीपस्थ ग्राम पंचायत सलैया प्यासी मैं विश्व कल्याण की कामना को लेकर सप्ताह ज्ञान यज्ञ शनिवार को प्रारंभ हो गया।भव्य कलश शोभायात्रा निकली जो पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए आयोजन स्थल पहुँची। शोभायात्रा मैं कन्याएं व महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर रामनाम की धुन शोभायात्रा मैं गूंज रही थी।वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि विधान से सप्ताह ज्ञान यज्ञ शुरू हुआ।

सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रीमद भागवत कथा का भी आयोजन शुरू हुआ।कथा का वाचन पंडित दिलीप पौराणिक के मुखार विंद से किया जा रहा है।प्रथम दिवस कथावाचक ने उपस्थित जनमानस को बताया कि भक्त निरंतर भक्ति करते हुए भगवान के भरोसे हो जाए तो संकट में भगवान ही उसकी रक्षा करते हैं। हमेशा भगवान के चरणों से जुडक़र रहो, संकट के समय यह पक्का आधार अवश्य काम आएगा। जिस तरह भक्तिमयी मीरा ठाकुरजी को आधार मानकर विष का प्याला पी गई थी तो भक्ति के आधार ने ही उसकी रक्षा की थी। जिस दिन प्रभू से मिलना होगा, उस दिन सहज मुक्ति मिल जाएगी।

धरा गया शातिर चोर, जंगल के पास से बरामद की मोटरसाइकिल

कटनी। शहर के व्यस्त इलाके रघुनाथ गंज से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली है। जानकारी अनुसार रघुनाथ गंज वार्ड निवासी नितिन गट्टानी ने 5 फरवरी को कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल (नंबर MP 21 MH 6922 घर के सामने से चोरी हो गई है। वह महज कुछ देर के लिए घर के अंदर गए थे और बाहर आने पर वाहन नदारद मिला। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।साइबर और मुखबिर की मदद से मिली सफलतापुलिस अधीक्षक (SP) अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने एक विशेष टीम गठित की। पुलिस ने जब साइबर सेल और मुखबिरों की सूचना पर संदिग्ध धर्मेन्द्र कोल 28 वर्ष निवासी नन्हवारा बड़वारा का नाम सामने आया।कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में वाहन छिपाया था। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी धर्मेन्द्र कोल को गाटरघाट

जिला अस्पताल के सामने अब हर रविवार को लगेगा जैविक, प्राकृतिक हाट बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जिला चिकित्सालय के सामने स्थित नगर निगम सब्जी मार्केट में अब हर रविवार को जैविक ,प्राकृतिक हाट बाजार लगेगा। यहां पहले प्रत्येक मंगलवार को जैविक व प्राकृतिक सब्जियों और उत्पादों का बाजार लगता था। कटनी वासियों की सुविधा के मद्देनजर यह हाट-बाजार अब शासकीय अवकाश दिवस हर रविवार के दिन प्रातः 9 बजे से लगेगा। कलेक्टर आशीष तिवारी की किसान हितैषी पहल पर शुरू हुये इस जैविक प्राकृतिक सब्जियों के हाट-बाजार के प्रति लोगों का बेहतर प्रतिसाद मिला। जैविक और प्राकृतिक खेती उत्पादन करने वाले किसानों की ताजी, हरी सब्जियां हाथों-हाथ बिकने लगीं, और इसका लाभ जिले के किसानों को यह हुआ कि उनके उत्पादों के लिए उन्हें मार्केट मिल गया।इसके साथ ही नागरिकों को हाट-बाजार से रसायनिक-मुक्त, स्वस्थ और पौष्टिक सब्जियां व अन्य उत्पाद बड़ी सहजता से मिलने लग गये। कलेक्टर श्री तिवारी ने जिले में प्राकृतिक खेती और जैविक खेती कर रहे किसानों को जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह हाट-बाजार शुरू कराया था। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास अरूणिमा सेन अयंगर ने बताया कि जैविक ,प्राकृतिक खेती से उत्पादित, रसायन मुक्त एवं शुद्ध उत्पाद मौसमी सब्जियां जैसे-लौकी, सेम, गोभी, टमाटर, पालक, मेथी, मूली, गाजर, पत्ता गोभी फल, जैविक दालें, जैविक चावल एवं श्री अन्न (कोदो, कुटकी, रागी, चियासीड) इत्यादि हाट बाजार में उपलब्ध रहेगें। कटनी शहरवासियों से आग्रह किया गया हैं कि वे हाट बाजार में प्रत्येक रविवार सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे पहुँच कर स्वास्थ्यवर्धक जैविक प्राकृतिक उत्पादों का क्रय करते हुये जिले के कृषकों का मनोबल बढ़ायें।

नागरिकों ने कलेक्टर से की शीघ्र पूर्ण कराने की मांग

अनूपपुर फ्लाईओवर निर्माण में सुस्ती

अनूपपुर नगर में निर्माणाधीन बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का कार्य धीमी गति से चलने के कारण आमजन की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। वर्षों से इस पुल के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे नागरिकों को राहत मिलने के बजाय रोजाना जाम, अव्यवस्थित यातायात और दुर्घटनाओं के खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

नगर में निर्मित हो रहे रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य की सुस्त रफ्तार अब जनआक्रोश का कारण बनती जा रही है। निर्माण एजेंसी की लापरवाही और संसाधनों की कमी के चलते कार्य समय-सीमा में पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। इससे शहरवासियों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पत्रकारों के माध्यम से जिला कलेक्टर का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

निर्माण एजेंसी पर लापरवाही के आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित सेतु निर्माण एजेंसी द्वारा पर्याप्त मैनपावर, मशीनरी और अन्य आवश्यक संसाधन मौके पर नहीं लगाए गए हैं। इसी वजह से कार्य की गति बेहद धीमी बनी हुई है। बताया जा रहा है कि रेलवे साइड का अधिकांश काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन सड़क और अन्य हिस्सों में प्रगति न के बराबर दिखाई दे रही है।

रोजाना जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त

रेलवे फाटक और निर्माण क्षेत्र के आसपास प्रतिदिन सुबह से शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों, व्यापारियों, कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों को घंटों फंसे रहना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को भी रास्ता नहीं मिल पाता, जिससे गंभीर स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है।

व्यापार पर्यावरण पर भी असर

व्यापारियों का कहना है कि जाम और अव्यवस्था के कारण बाजार की गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। ग्राहकों की आवाजाही कम हो रही है, वहीं लोगों का समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। निर्माण क्षेत्र में उड़ती धूल और गंदगी से आसपास के रहवासी भी परेशान हैं।

दुर्घटना की आशंका, प्रशासन को चेतावनी

नगरवासियों ने चेताया है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी और प्रशासन की होगी। नागरिकों ने मांग की है कि एजेंसी को सख्त निर्देश देकर पर्याप्त श्रमिक और मशीनरी लगवाई जाए, कार्य की नियमित मॉनिटरिंग हो और तय समय-सीमा में ओवर ब्रिज का निर्माण पूरा कराया जाए।

आंदोलन करने की दी चेतावनी

नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन जनहित को प्राथमिकता देते हुए जल्द ठोस कदम उठाएगा। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि समस्या का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो वे आंदोलन या धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

रामपुर बटुरा परियोजना प्रभावितों में आक्रोश

मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे किसान प्रतिनिधि गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

धनपुरी, बुढार, रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों और जनप्रतिनिधियों के साथ 8 फरवरी को हुई पुलिस कार्रवाई ने जिले में नया विवाद खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री के एसईसीएल सोहागपुर, धनपुरी एरिया प्रवास के दौरान अपनी समस्याएं शांतिपूर्ण तरीके से रखने जा रहे किसान प्रतिनिधियों को प्रशासन ने रास्ते में ही हिरासत में ले लिया।

इस कार्रवाई को किसानों ने अलोकतांत्रिक बताते हुए कड़ी निंदा की है। परियोजना प्रभावित किसानों का कहना है कि एक सप्ताह पूर्व से ही सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा और अन्य साथियों द्वारा एसईसीएल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन को सूचना दी गई थी कि वे पुनर्वास, पुनर्स्थापना (आर एंड आर), लंबित रोजगार प्रकरण, निजी कंपनियों की मनमानी, सीएसआर कार्यों और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना चाहते हैं। इसके लिए एसडीएम सोहागपुर, तहसीलदार बुढार, थाना प्रभारी अमलाई और एसईसीएल के महाप्रबंधक को भी अवगत कराया गया था। किसानों का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें यह कहकर बुढार थाना बुलाया कि मुख्यमंत्री से हेलीपैड के पास मुलाकात कराई जाएगी। लेकिन जैसे ही प्रतिनिधि थाना परिसर पहुंचे, उन्हें पुलिस बस में बैठाकर सोहागपुर/शाहपुर थाना ले जाया गया और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम समाप्त होने तक नजरबंद रखा गया। इस दौरान किसी भी प्रकार का लिखित आदेश या स्पष्ट कारण नहीं बताया गया।

इस कार्रवाई में जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, किसान नेता आदित्य त्रिपाठी, सामाजिक कार्यकर्ता राजबहोर चंदा, अखिलेश त्रिपाठी सहित कई जनप्रतिनिधि और रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना प्रभावित किसान शामिल थे। किसानों ने आरोप लगाया कि बिना समुचित स्वीकृति के पेड़ों की कटाई की गई, भूमि अधिग्रहण के बावजूद रोजगार नहीं दिया गया और उनकी जमीनों से कोयला निकाला जा रहा है। इन्हीं मुद्दों को मुख्यमंत्री के सामने रखने के प्रयास को दबाने के लिए यह कार्रवाई की गई। परियोजना प्रभावित किसानों और जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनके साथ हुए दुर्व्यवहार और हिरासत का जवाब स्पष्ट रूप से नहीं दिया गया तो वे आने वाले समय में व्यापक आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। किसानों का कहना है अब यह लड़ाई आर-पार की होगी, ना झुकेंगे और ना ही रुकेंगे।

अमृत भारत, गतिमान योजना में अनूपपुर जं. का अधूरा सौंदर्यीकरण

शहडोल की तरह जिले की झलक कहां...?

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत अनूपपुर जंक्शन का अमृत भारत स्टेशन एवं गतिमान योजना के तहत सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। स्टेशन के भीतर और बाहर आकर्षक सजावट, रंग-रोगन और आधुनिक सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे स्टेशन की छवि बेहतर बने और यात्रियों को सुगम वातावरण मिल सके। हालांकि, स्थानीय नागरिकों एवं यात्रियों का कहना है कि सौंदर्यीकरण कार्य अभी भी अधूरा और असंतुलित नजर आ रहा है। स्टेशन के एक हिस्से को जहां आकर्षक रूप से सजाया गया है, वहीं दूसरी ओर पैदल ब्रिज के समीप का क्षेत्र उपेक्षित पड़ा हुआ है, जिससे समग्र सौंदर्य प्रभावित हो रहा है। यदि तुलना करें तो समीपवर्ती शहडोल स्टेशन पर स्थानीय प्राचीन मंदिरों और सांस्कृतिक धरोहरों की झलक सजावट में दिखाई देती है, जो यात्रियों को क्षेत्र की पहचान से जोड़ती है। इसी तर्ज पर अनूपपुर, जो कि अमरकंटक और मां नर्मदा उद्गम स्थल से जुड़ा धार्मिक एवं पर्यटन महत्व का केंद्र है, वहां स्टेशन परिसर के बाहर मां नर्मदा और अमरकंटक थीम आधारित सजावट की जानी चाहिए, ताकि यहां उतरने वाले यात्रियों को तुरंत धार्मिक और पर्यटन स्थल की जानकारी मिल सके।

इसके अलावा यात्रियों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्टेशन के अंदर बने वेटिंग हॉल में स्नान की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे दूर-दराज से आने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं स्टेशन के बाहर पार्किंग क्षेत्र में सुलभ कॉम्प्लेक्स का अभाव भी यात्रियों के लिए असुविधा का कारण बना हुआ है। भारतीय गण वार्ता (भगवा पार्टी) के जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र कांत तिवारी ने रेलवे प्रशासन एवं स्थानीय सांसद से मांग करते हुए कहा कि अनूपपुर धार्मिक एवं पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है, ऐसे में स्टेशन को भी उसी अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने शीघ्र मां नर्मदा थीम आधारित सौंदर्यीकरण, वेटिंग हॉल में स्नान व्यवस्था और पार्किंग स्थल पर सुलभ कॉम्प्लेक्स निर्माण कराने की मांग की है, ताकि यात्रियों को वास्तविक जनसुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों का भी मानना है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र अमल किया जाए तो अनूपपुर जंक्शन न केवल सुंदर बल्कि यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक और स्वागत योग्य बन सकेगा।

मिड डे मील में मासूमों को परोस रहे बीमारी

गंदे नाले के पानी से पक रहा बैगा डबरा स्कूल का भोजन

अनूपपुर जिले में बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बैगा डबरा प्राथमिक स्कूल में मध्यान्ह भोजन बहते बरसाती नाले के गंदे पानी से पकाया जा रहा है। यह वही पानी है जिसे बच्चे और रसोइया मजबूरी में पीने तक के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के कोतमा जनपद पंचायत के बैगा डबरा गांव के प्राथमिक विद्यालय की हकीकत बेहद भयावह है। यहां बच्चों को मिलने वाला मध्यान्ह भोजन स्कूल से कुछ दूरी पर बहते बरसाती नाले के पानी से पकाया जा रहा है। बोतल में भरे इस पानी को देखकर ही उसकी गंदगी और अशुद्धता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके बावजूद यही पानी भोजन पकाने और पीने में उपयोग हो रहा है। हाल ही में इंदौर में सामने आई गंभीर घटना के बाद भी जिले के अधिकारियों ने कोई सबक नहीं लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि अनूपपुर जिले में भी मासूम बच्चों की जान जोखिम में डाल दी गई है।

नया भवन, बदहाल व्यवस्थाएं

स्कूल का भवन भले ही नया नजर आता हो, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की हालत बेहद खराब है। विद्यालय में साफ पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पानी की व्यवस्था लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के जिम्मे है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई समाधान नहीं दिख रहा है।

रसोइया बोली मजबूरी में नाले का पानी कर रहे उपयोग

मध्यान्ह भोजन बनाने वाली रसोइया ने बताया कि यही गंदा नाले का पानी भोजन पकाने और पीने दोनों में उपयोग किया जाता है। गांव के लोग भी इसी नाले का पानी लेने को मजबूर हैं। स्कूल के पास एक हैंडपंप जरूर है, लेकिन उसका पानी नाले से भी ज्यादा गंदा है। कई बार इस पानी को पीने से लोग बीमार भी पड़ चुके हैं। अधिकारियों के आने पर केवल कागजी कार्रवाई होती है, समस्या जस की तस बनी रहती है।

धीरे-धीरे होंगी सुविधाएं

जिला शिक्षा केंद्र के एसडीओ प्रदीप पांडेय का कहना है कि विद्यालय नया है और धीरे-धीरे आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालांकि हकीकत यह है कि मूलभूत सुविधा में स्वच्छ पानी के लिए अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं हुआ है, जबकि बच्चों के स्वास्थ्य पर सीधा खतरा मंडरा रहा है।

प्रशासन अनजान, सुधार का आश्वासन

मामले में प्रभारी डीपीसी संतोष मिश्रा ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने इंजीनियर से बात कर व्यवस्था सुधारने की बात कही है। अब सवाल यह है कि क्या केवल आश्वासन से बच्चों को सुरक्षित पानी मिल पाएगा या फिर किसी बड़ी घटना के बाद ही प्रशासन नींद से जागेगा।

होनहार डॉ. अमित गुप्ता ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

एमपीपीएससी पशु चिकित्सा परीक्षा में हुए सफल

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम। ग्राम धरहर कलां के एक साधारण परिवार के होनहार युवक डॉ. अमित गुप्ता ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित पशु चिकित्सा विस्तार परीक्षा-2024 में बड़ी सफलता अर्जित की है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। डॉ. अमित के पिता संजय गुप्ता राजेन्द्रग्राम में कपड़ा व्यवसायी हैं और माता श्रीमती गुप्ता एक कुशल गृहिणी हैं। डॉ. अमित की प्रारंभिक शिक्षा एक्सीलेंस स्कूल लाखौरा से हुई। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे, जिसके चलते कक्षा 10वीं में उनका चयन राज्य सरकार की 'सुपर 100' योजना में हुआ और आगे की पढ़ाई उन्होंने भोपाल से पूरी की। इसके पश्चात उन्होंने 'कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हस्बैंडरी, रीवा' से बी.वी.एससी. की डिग्री प्राप्त की। वर्तमान में डॉ. अमित बुढ़ार स्थित पशु चिकित्सालय में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने अपनी इस गौरवमयी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। डॉ. अमित ने कहा कि माता-पिता के अटूट विश्वास और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। उनकी सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और मित्रों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बसों की अवैध पार्किंग ने ली बैगा महिला की जान, अमरकंटक तिराहा फिर बना हादसों का अड्डा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम स्थित अमरकंटक तिराहा एक बार फिर लापरवाही और अव्यवस्थित यातायात का गवाह बना, जहां सड़क पर अवैध रूप से खड़ी बसों के कारण दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार पिकअप वाहन अवैध रूप से खड़ी बसों के बीच से निकलने के दौरान अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पैदल चल रही बैगा समाज की महिलाओं को कुचल दिया। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर राजेंद्रग्राम बस स्टैंड से निकलने वाली बसें रोजाना सड़क किनारे खड़ी कर दी जाती हैं। अवैध पार्किंग के कारण मार्ग अत्यधिक संकरा हो जाता है, जिससे भारी वाहनों के साथ-साथ छोटे वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। आज हुआ हादसा इसी अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि करीब 80 से अधिक बसें प्रतिदिन मुख्य सड़क पर अवैध रूप से खड़ी की जाती हैं। इस कारण यहां लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है और कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध बस स्टॉप और सड़क पर की जा रही बसों की पार्किंग को तत्काल हटाया जाए, दोषी वाहन चालकों व बस संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा अमरकंटक तिराहा पर स्थायी और सुरक्षित यातायात व्यवस्था लागू की जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसे भविष्य में भी होते रहेंगे और निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी।

---

8 दिनों से सोनमौहरी-धनगवां के जंगल में डेरा डाले हाथी

गांवों में मचाया उत्पात, घर-फसल को भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर जिले में बीते लगभग 48 दिनों से विचरण कर रहा हाथियों का दल बीते 8 दिनों से दो अलग-अलग हिस्सों में बंट गया है। एक दांत वाला नर हाथी अनूपपुर तहसील के सोनमौहरी बीट में डटा हुआ है, जबकि दो हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट के जंगल में ठहरे हुए हैं।

इन हाथियों की लगातार मौजूदगी से ग्रामीण अंचल में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार सोनमौहरी बीट के बांस प्लांटेशन क्षेत्र में ठहरा एक दांत वाला नर हाथी दिन के समय जंगल में आराम करता है, लेकिन शाम ढलते ही जंगल से बाहर निकलकर आसपास के गांवों में पहुंच जाता है। बीते 8 दिनों से यह हाथी सेंदुरी, सोनमौहरी और अमगवां पंचायत के डोंगरीटोला सहित कई गांवों में रात के समय घरों में तोड़फोड़ कर रहा है और खेतों में लगी गेहूं, अरहर सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार बीते दिनों हाथी ने सेंदुरी गांव में कई किसानों की फसलें नष्ट कीं। भगाए जाने पर यह ग्राम पंचायत अमगवां के वार्ड क्रमांक 10 डोंगरीटोला निवासी गणेश सिंह आर्मो के गेहूं व अरहर के खेत में जा पहुंचा और फसल को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद हाथी सोनमौहरी गांव पहुंचा, जहां अनूपपुर-कोतमा रेल मार्ग पार कर पिचिंगटोला निवासी मानसिंह गोंड के घर में दो स्थानों पर तोड़फोड़ की और घर में रखी धान की बोरी बाहर निकालकर खा गया। कुछ देर आराम करने के बाद हाथी सोनमौहरी तालाब में नहाया और फिर ग्रामीणों के शोर मचाने पर वापस बांस प्लांटेशन में जा ठहरा।

रविवार की सुबह हाथी ने एक बार फिर सेंदुरी पंचायत के बांधटोला निवासी संजय चर्मकार के घर पर हमला कर दरवाजा और खिड़की तोड़ दी। इसके बाद हाथी वापस जंगल की ओर चला गया। लगातार हो रही घटनाओं से सेंदुरी, सोनमौहरी और अमगवां के ग्रामीण भयभीत हैं। रविवार को ग्रामीण एकत्रित होकर हाथी को जंगल से बाहर अमगवां की ओर खदेड़ने का प्रयास करते रहे, लेकिन हाथी दिन के समय जंगल के भीतर इधर-उधर भागते हुए पेड़ों के बीच छिप जाता है, जिससे ग्रामीणों को सफलता नहीं मिल सकी। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी की निगरानी बढ़ाने, वन अमले की तैनाती और जल्द राहत व्यवस्था की मांग की है,

आवश्यकता है
हरिभूमि कार्यालय अनूपपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है हिंदी टायपिंग व समाचार बनाने का अनुभव आवश्यक है। अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।
संपर्क करे
मनोज शुक्ला-9425473230
आशीष द्विवेदी-9425472507

पुष्पराजगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पद पर विपुल बरमैया निर्विरोध निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्लॉक पुष्पराजगढ़ इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 08 फरवरी रविवार को अमरकंटक स्थित मंदिर परिसर में दोपहर 12:00 बजे सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारी चंदन केवट द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से विपुल बरमैया को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी चंदन केवट ने बताया कि पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा इसकी सूचना जिला इकाई को अभिलेख हेतु प्रेषित कर दी गई है। निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष विपुल बरमैया ने साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन के साथियों के विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकार साथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। विपुल बारमैया का पुष्पराजगढ़ ब्लॉक के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर जिले एवं संभाग के राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239